उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी
महत्वपूर्ण उपलब्धियाँः मई, 2018

Asian Association of Open Universities की वेबसाईट में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का समावेशन

विश्वविद्यालय को गवर्नर्स बेस्ट यूनिवर्सिटी अवार्ड 2017 में प्रदेश के विश्वविद्यालयों में दूसरे स्थान प्राप्त हुआ है जिसे Asian Association of Open Universities द्वारा अपनी वेबसाईट में प्रकाशित किया गया है।

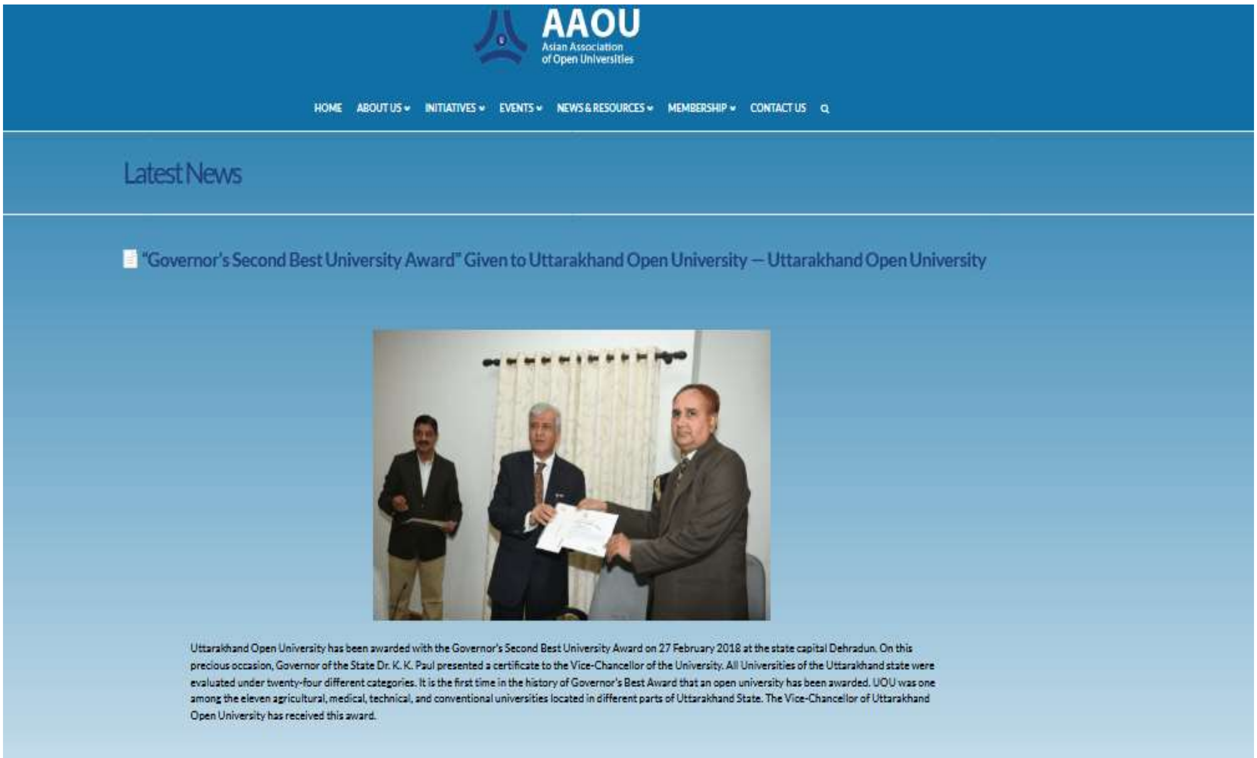

AAOU की वेबसाईट में प्रकाशित विश्वविद्यालय की उपलब्धि

दूरस्थ शिक्षा में उच्च स्तरीय चिंतन

दिनांक- 10-11 मई, 2018 को माननीय कुलपति जी द्वारा राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया केंद्र एशिया (Commonwealth of Learning (COL) and Asia e-University, Malaysia के सहयोग द्वारा आयोजित High Level Roundtable for Vice Chancellors & Heads of ODL Institutions, की बैठक में कुआलालुंपुर, मलेशिया में प्रतिभाग किया गया।

बैठक में विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतियों व दूरस्थ शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों द्वारा अवरोध एवं व्यवधानों के इस युग में नेतृत्व का क्या महत्व है तथा किस तरह एक कुशल नेतृत्व में मुक्त विश्वविद्यालय व दूरस्थ शिक्षा संस्थान अपना संर्वागीण विकास करते हुए अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर सकते है, पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपति व दूरस्थ शिक्षण संस्थानों के प्रमुख प्रतिभाग करते हुए।

ऑनलाईन निशुल्क शिक्षा

डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा इंट्रोडक्शन टू इनफार्मेशन सिक्योरिटी एवं इंट्रोडक्शन टू एम एस एक्सेल दिनांक 28 मई 2018 से निशुल्क नॉन क्रेडिट कोर्स चलाया जा रहा है। इस पाठयक्रम की सामग्री जो कि अग्रेजी भाषा में विकसित की गई थी, उसका हिन्दी अनुवाद भी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया गया है जिसे विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुरूप वेबसाईट से डाउनलोड कर सकता है। डॉ जीतेंद्र पाण्डे, डॉ. गोपाल दत्त एवं स्क्वार्डन लीडर अरूण कुमार द्वारा निर्मित विडियो लेक्चर, पाठ्य सामग्री हिन्दी व अंग्रेजी में तथा विद्यार्थियों के कोर्स की प्रगति को जांचने के लिए क्विज का निर्माण किया गया है।

उक्त कोर्स पूर्ण करने करने के उपरांत विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट ऑफ पार्टीसिपेशन भी दिया जायेगा।

निशुल्क पाठ्यक्रम से संबंधित रिपोर्ट संलग्न है (संलग्नक-क)

विशिष्ट शिक्षा का संवर्द्धन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के गढ़वाल मंडल के रुद्रप्रयाग, पौड़ी, हरिद्वार रुड़की, ऋषिकेश एवं देहरादून जिलों के बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा) के अध्ययन केन्द्रों में नामांकित विद्यार्थियों की दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनाँक 01/05/2018 से 10/05/2018 तक SGRR PG COLLEGE, Dehradun में किया गया| कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में डॉ एस.सी. पचोरी, अमर ज्योति विशेष विद्यालय, नई दिल्ली की प्राचार्य श्रीमती अनिता सरदाना, हे.न.ब.गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पौड़ी परिसर के बी.एड. संकाय की प्राध्यापिका डॉ. निधि बड़थ्वाल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया|अपने उद्बोधन में डॉ एस.सी. पचोरी ने प्रशिक्षु शिक्षकों को शिक्षण में छात्रों को नवीन तकनीकी के प्रयोग अपनाने पर बल दिया| श्रीमती अनिता सरदाना ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए व्यवसायिक शिक्षा को उपयोगिता, आवश्यकता एवं भूमिका पर अपना व्याख्यान दिया| डॉ. निधि बड़थ्वाल द्वारा विशेष शिक्षा में शोध कों और अधिक करने पर बल दिया व साथ ही नए अनुसंधान और शोध में मौलिकता कों जरुरी बताया| कार्यशाला के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने दस दिवसीय कार्यशाला में होने वाले क्रिया कलापों के बारे में बताया| दस दिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित विभिन्न विषय विशेषज्ञ सुश्री जगदीप कौर द्वारा क्लास रूम शिक्षण ,CRC, सुंदरनगर से अरुण गौतम द्वारा शिक्षण में परामर्श सेवाओं के विषय में, स्पीच थेरेपी, नई दिल्ली से डॉ मुरली सिंह द्वारा विशिष्ट बच्चों के लिए रोजगार परक पाठ्यक्रमों के चयन एवं अभिभावकों को जानकारी देने सम्बन्धी विषय पर, बरेली से आये सतीश कुमार एवं जितेंद्र प्रताप द्वारा शिक्षण में नृत्य, गायन , वादन एवं नाटक और अन्य ललित कलाओं के प्रयोग द्वारा शिक्षण कों कैसे संवर्धित किया जाये, विषय पर व्याखान दिए| कार्यशाला के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा समावेशी शिक्षा में निर्देशन सेवाओं का प्रयोग, वोकेशनल शिक्षा की आवश्यकता के विषय में बताया|

कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी तथा अभिभावक

कार्यशाला के अंतिम दिवस समापन सत्र में SGRR PG COLLEGE, Dehradun के क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ हर्षवर्धन पन्त, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ राकेश रयाल द्वारा किया गया| डॉ हर्षवर्धन पन्त ने अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि उन पर समाज

की एक बड़ी जिम्मेदारी है क्यूंकि उनको दिव्यांग बच्चों कों शिक्षित एवं जीवन की परिस्थितियों से सामंजस्य करने के लायक बनाना है| डॉ राकेश रयाल ने प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम पूर्ण होने की शुभकामना के साथ भविष्य में अच्छे शिक्षक के रूप में कार्य करने की अपेक्षा की, जिससे कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के ब्रांड अम्बेसडर के रूप में उनको जाना जाये| कार्यशाला में गढ़वाल क्षेत्र के 200 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे| समापन सत्र में कार्यशाला के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने दस दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की|

कार्यशाला के उपरांत दिनाँक 11/05/2018 को राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजपुर रोड, देहरादून में सामान्य विषयों के शिक्षण –परीक्षा, दिनाँक 12/05/2018 को विशेष शिक्षण-परीक्षा तरंग स्पेशल स्कूल, एवं Bajaj institute of hearing impaired, Dehradun करवाई गयी जिसमे डॉ गीतिका मेहरोत्रा, डॉ निधि बड़थ्वाल, डॉ कल्पना पाटनी एवं डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा किया गया| दिनाँक 13/05/2018 को SGRR PG COLLEGE, Dehradun में मोखिकी-परीक्षा संपन्न कराई गयी|

कार्यशाला के उपरांत विशेष शिक्षण- परीक्षा में प्रतिभाग करते प्रतिभागी।

राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल

विश्वविद्यालय द्वारा उपाधियों की प्रविष्ठि व सत्यापन हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल में Maker व Checker का निर्माण किया जा चुका है। राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) पोर्टल पर कार्य करने से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी हेतु राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी (NAD) के कार्मिकों के साथ प्रदर्शन व्याख्यान (Demo Lecture) भी किया गया। सभी उपाधियों को डिजिटल हस्ताक्षरित करने के लिए डिजिटल हस्ताक्षर बनाने की प्रक्रिया अन्तिम चरण में है।

सभी उपाधियों को डिजिटल हस्ताक्षरित करने के लिए डिजिटल हस्ताक्षर बनाने की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। अब ये डिजिटल हस्ताक्षर विश्वविद्यालय को प्राप्त होने के उपरान्त सत्र 2016–17 की उपाधियॉ एन0ए0डी के पोर्टल पर अपलोड करा दी जाएंगी।

NAD (National Academic Depositary) में डेटा अपलोड किए जाने हेतु सत्र 2016-17 में आयोजित किए गए दीक्षान्त समारोह में प्रदान की गई 8,009 उपाधियों को सॉफ्ट कापी में परिवर्तित कर दिया गया है।

Inter Staff Exchange Fellowship के तहत थाईलैंड में मूक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण देने हेतु विश्वविद्यालय के सहायक प्रध्यापक का चयन

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे का चयन Asian Association of Open Universities (AAOU) की प्रतिष्ठित Inter-University Staff Exchange Fellowship हेतु Sukhothai Thammathirat Open University, Bangpood, Pakkret, Nonthabur, Thailand विश्वविद्यालय में हुआ है| इस फेलोशिप के अंतर्गत डॉ जीतेंद्र पाण्डे कुछ समय Sukhothai Thammathirat Open University में रहकर A comparative study of OER practices at Uttarakhand Open University(UOU), India & Sukhothai Thammathirat Open University(STOU), Thailand विषय में शोध करेंगे|

विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियों 'हैलो हल्द्वानी' का योगदान

मई माह में हैलो हल्द्वानी द्वारा 25 नए कार्यक्रमों का निर्माण किया गया। इनमें से कुछ कार्यक्रम स्टूडियो में बाहर से आए मेहमानो के साथ में कभी साक्षात्कार तो कभी समसामयिक मुद्दों पर चर्चा के साथ किए गए। इसके अलावा इस माह कुछ नए कार्यक्रमों का आगाज भी किया गया। मसलन **देश विदेश की सैर** कार्यक्रम की शुरुआत हमने की जिसमें कि अपने देश के किन्हीं अन्य राज्यों के बारे में या फिर किसी देश के बारे में जानकारी हम श्रोताओं को दिया करेंगे। इस बार अपने पड़ोसी देश नेपाल को समझने की कोशिश की गई नेपाल मामलों के जानकार प्रेम पुनेठा जी के साथ में।

इसके अलावा **हमारे पेड़ पौंधे हमारी बुनियाद** नाम से एक और नए कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिसमें कि हमने अपने आस पास पाए जाने वाले पेड़ पौंधे व उनकी उपयोगिता पर जानकारी श्रोताओं को दी।

इसके साथ ही हमने **दुनिया किस्से कहानियों की** नाम से एक तीसरे नए कार्यक्रम की शुरुआत की। इसमें देश दुनिया व अपने आसपास की बेहतरीन लघु कहानियों को श्रोताओं तक पहुंचाने का एक प्रयास किया गया है।

इसी माह से हमने भूले बिसरे लोक गीतों को **लोक रंग** नाम से सहेजने का प्रयास भी किया, जिसमें बिसरा दिए गए लोक गीतों को खोजने व कम्युनिटी द्वारा उसे हैलो हल्द्वानी के लिए स्वर दिए जाने की शुरुआत की। जिसके तहत तीन लोक गीत तैयार किए गए।

इसके अलावा **यूट्यूब पर हैलो हल्द्वानी का एक चैनल** भी बनाया गया है, जिसमें कि धीरे धीरे अभी तक के निर्मित कार्यक्रम व नए कार्यक्रमों को लगातार अपलोड किया जा रहा है। इसके साथ ही छह घंटे रेडियो का लाइव प्रसारण जारी है।

निम्न कार्यक्रमों का निर्माण व प्रसारण इस माह किया गया।

प्रेम पुनेठा से सुनीता भास्कर बातचीत करते हुए

1- "देश विदेश की सैर" प्रोग्राम में नेपाल मामलों के जानकार प्रेम पुनेठा से सुनीता भास्कर की बातचीत।

2- "मुलाकात" प्रोग्राम में विकास के विभिन्न पहलुओं पर रजा हैदर से भूपेन सिंह की बातचीत।

3- "शिक्षा का पहिया" प्रोग्राम में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर विज्ञान शिक्षक डानिर्मल निओलिया से . सुनीता भास्कर की बातचीत ।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 जयश्री तिवारी से सुनीता भास्कर की बातचीत

4- "हैल्दी हल्द्वानी" प्रोग्राम में शहर की जानी मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ जयश्री तिवारी से सुनीता भास्कर की बातचीत।

5- "यंग हल्द्वानी" प्रोग्राम में मिस्टर उत्तराखंड रह चुके अर्जुन चावला से सुनीता भास्कर की बातचीत।

6- "मिसाल बेमिसाल" प्रोग्राम में थियेटर शिक्षक व रंगकर्मी कुलीन जोशी से सुनीता भास्कर की बातचीत।

7- "शिक्षा का पहिया प्रोग्राम" में करिअर काउंसलिंग पर आईआईएम इंदौर में प्रो पी के शर्मा से सुनीता भास्कर की बातचीत। .

8- "यंग हल्द्वानी" प्रोग्राम में ब्लड डोनेट ग्रुप के ओनर प्रमोद मिश्रा से सुनीता भास्कर की बातचीत।

9- "बात पहाड़ की" प्रोग्राम में ओखलकांडा ब्लाक से पत्रकार रमेश परगांई से सुनीता भास्कर की बातचीत।

10- "मिसाल बेमिसाल" प्रोग्राम में पत्रकार जगमोहन रौतेला व रीता खनका से सुनीता भास्कर की बातचीत।

11- “हैल्दी हल्द्वानी” प्रोग्राम में फैमली प्लानिंग काउंसलर किरन जोशी से सुनीता भास्कर की बातचीत।

12- “मुलाकात” प्रोग्राम में पत्रकारिता दिवस पर जगमोहन रौतेलागिरजा पांडे से भूपेन .हरीश पंत व प्रो , सिंह की बातचीत।

13- “कविता संसार” प्रोग्राम में कवि कुलीन जोशी की कविताएं व कविता पर बातचीत सुनीता भास्कर के साथ।

14- “बात पहाड़ की” प्रोग्राम में पहाड़ के जंगलों में लगी आग पर अशोक कनवाल से सुनीता भास्कर व अनिल नैलवाल की परिचर्चा।

15- “आधी आबादी” प्रोग्राम में प्राइवेट कंपनियों में महिलाओं की कार्य परिस्थितयों पर कंपनी वर्कर रितिका व अनामिका से सुनीता भास्कर की बातचीत।

16- ‘बदलती हल्द्वानी’ प्रोग्राम में गोरापड़ाव निवासी प्रमिला नागिला से हाईवे चौड़ीकरण के प्रभावों पर सुनीता भास्कर की बातचीत।

17- “यंग हल्द्वानी” प्रोग्राम में सामाजिक कार्यकर्ता रिंपी बिष्ट से हल्द्वानी के सामाजिक परिप्रेक्ष्य पर सुनीता भास्कर की बातचीत।

18- “आधी आबादी की आवाज” प्रोग्राम में गृहणी पुष्पा नेगी से सुनीता भास्कर की बातचीत।

19- “बच्चों की दुनिया” प्रोग्राम में उड़ीसा से आए दो बच्चों इशान व स्नेहिल से सुनीता भास्कर की बातचीत।

20- युवाओं में बढ़ते जिम के क्रेज पर युवाओं व जिम ट्रेनरों पर एक रेडियो फीचर सुनीता भास्कर द्वारा निर्मित।

21- उत्तराखंड मुक्त विवि मे आयोजित करिअर काउंसलिंग सेमिनार में आए स्टूडेंट्स से बातचीत आधारित रेडियो फीचर सुनीता भास्कर द्वारा निर्मित।

22- दुनिया किस्से कहानियों की प्रोग्राम के – एपिसोड निर्मित अनिल नैलवाल द्वारा।

23- दुनिया किस्से कहानियों की का एक एपिसोड कम्युनिटी द्वारा निर्मित।

24- विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रेडियो फीचर का निमार्ण सुनीता भास्कर व अनिल नैलवाल द्वारा।

25- बच्चों की दुनिया प्रोग्राम के तहत बिड़ला स्कूल के बच्चों के रेडियो क्लब ने मर्दस डे पर कार्यक्रम का निर्माण किया।

(हैलो हल्द्वानी से सम्बन्धित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- ख)

कैरियर परामर्श संगोष्ठी

दिनांक 26 मई, 2018 को नामांकित शिक्षार्थियों हेतु उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा मुख्यालय में एक कैरियर परामर्श संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कैरियर परामर्श संगोष्ठी के विशेषज्ञ आईआईएम, इंदौर से प्रोफेसर पवन कुमार सिंह थे। संगोष्ठी के अध्यक्ष प्रोफेसर आर सी मिश्र थे। कैरियर परामर्श संगोष्ठी CEMCA के सहयोग से आयोजित की गयी।

विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते प्रो0 पवन कुमार सिंह

विशेषज्ञ द्वारा शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन किया गया अवगत कराया कि आत्मविश्वास के साथ ज्ञान, कौशल और क्षमताएँ, सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अपने संबंधित पाठ्यक्रम का गहन अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने साक्षात्कार और आगे की शिक्षा के संबंध में छात्रों के संदेह को भी दूर कर दिया।

संगोष्ठी में प्रतिभाग करते शिक्षार्थी

संगोष्ठी में शिक्षार्थियों को उनके लिए उपलब्ध कैरियर विकल्पों से अवगत हुए । विशेषज्ञ ने सभी प्रतिभागियों को उनसे सम्बन्धित क्षेत्रों में उपलब्ध सफल कैरियर तथा कैरियर विकल्पों के निर्माण के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया । इस संगोष्ठी में, शिक्षार्थियों को उनके प्रश्नों से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में पता चला जो कि निम्नवत: हैं;

1. प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में कैसे सफल होना है,
2. किसी विशेष क्षेत्र में नौकरी के अवसर क्या हैं,
3. रोजगार के अवसर हेतु उचित जानकारी प्राप्त करने के लिए कौन कौन से साधन हैं-, और
4. रोजगार के लिए आवेदन कैसे करें आदि

संगोष्ठी का संचालन करते डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा

संगोष्ठी का समापन छात्रों का विशेषज्ञ के साथ परस्पर संवादात्मक सत्र से संपन्न हुआ।

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा 2018 जो 01 जून से 27 जून तक प्रदेश के 60 केन्द्रों में होनी प्रस्तावित है। परीक्षा में 48,543 (मुख्य परीक्षा), 7,219 (बैक परीक्षा) एवं 191 (सुधार परीक्षा) कुल 55,953 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे है। परीक्षा हेतु परीक्षा कार्यक्रम तथा प्रवेश पत्र ऑनलाईन माह मई में जारी कर दिये गए है । प्रथम बार विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाओं के प्रश्नपत्र परीक्षा केन्द्रों को डाक विभाग के माध्यम से प्रेषित किये गये। परीक्षा के सफल संचालन हेतु तीन स्तर- परीक्षा केन्द्र, विश्वविद्यालय स्तर तथा प्रथम बार जोनल स्तर पर औचक निरीक्षण टीम गठित की गई है।
- शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से जून 2018 की परीक्षाओं हेतु परीक्षा केन्द्रों की संख्या 54 से बढाकर 60 कर दी गई है। पहाड़ी क्षेत्रों में 43 परीक्षा केन्द्रों का चिन्हीकरण किया गया जिनमें से 27 अति दुर्गम क्षेत्रों में स्थित हैं।
- पहाड़ी क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा कम एवं परीक्षा केन्द्रों की दूरी मुख्य शहरों से काफी दूर होने के कारण छात्र हित को ध्यापन में रखते हुए पूर्व में आयोजित की जा रही 3 पालियों की परीक्षाओं को घटाकर 2 पालियों में समायोजित कर दिया गया है।
- जून 2017 में 26 कार्य दिवसों में परीक्षाएं आयोजित की गई जिसे जून 2018 में 22 कार्य दिवसों में समायोजित कर दिया गया है। जिससे कि समय से परीक्षाएं खत्म होने के उपरान्त छात्र आगे की तैयारी (नौकरी या आगे की पढ़ाई) की प्रक्रिया प्रारम्भ कर सके।
- व्यक्तिगत परीक्षा प्रणाली के समाप्त होने के उपरान्त उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को दी गई जिम्मेदारी के फलस्वरूप छात्रों की संख्या में भी निम्नवत् वृद्धि हुई है –

Year	Main Exam	Back Paper	Improvement	Total
Jun 2017	28926	8422	-	37348
Jun 2018	48543	7219	191	55953

- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 3 दीक्षांत समारोह (सत्र 2014-15, 2015-16, 2016-17) में प्रदान की गई उपाधियों को छात्रों को प्रेषण करने हेतु उनके आवेदन प्राप्त करने के लिए

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया का निर्माण अपने अन्तिम चरण में है। इसके निर्माण के उपरान्त उपाधियॉ प्रेषण करने से पूर्व ही छात्र अपने व्यक्तिगत जानकारियों का सत्यापन कर सकेंगे।

विज्ञान विषय की कार्यशालाऐं

- दिनांक 6 मई, 2018 से 14 मई, 2018 तक रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान तथा वनस्पति विज्ञान विषय की कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन बी जी आर कैम्पस, पौड़ी में किया गया जिसमें 105 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विज्ञान कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

- दिनांक 15 मई, 2018 से 24 मई, 2018 तक रसायन विज्ञान, भौतिक शास्त्र, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान तथा भूगोल विषय की कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन एम बी जी पी जी कॉलेज, हल्द्वानी में किया गया जिसमें 370 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विज्ञान कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

- दिनांक 20 मई, 2018 से 30 मई, 2018 तक रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, वनस्पति, प्राणि विज्ञान विषय की कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आयोजन एल एस एम पी जी कॉलेज, पिथोरागढ़ में किया गया जिसमें 180 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विज्ञान कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

डिजिटल क्रांति में विश्वविद्यालय का योगदान

- विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर डिजिटल क्रांति में अपना सक्रिय सहयोग व योगदान प्रदान किया जाता रहा है| इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किये गये यू ओ यू एप का लोकार्पण डॉ. धन सिंह रावत, माननीय शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड सरकार द्वारा 29 नवम्बर, 2017 को किया गया| इस एप को विद्यार्थी अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर सकते है तथा इसकी सहायता से वह प्रवेश, पाठ्य सामग्री, सत्रीय कार्य, विडिओ लेक्चर व विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली अद्यतन जानकारी व घोषणाओं से अवगत हो सकेगा| माह मई में इस एप में सत्रीय कार्य हेतु एक नया लिंक भी दिया गया है जिससे विद्यार्थियों को सत्रीय कार्य डाउनलोड करने में सुविधा हो सके। वर्तमान में इस एप को लगभग 2200 उपयोगकार्ताओं द्वारा डाउनलोड किया जा चुका है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त निर्देशों के क्रम में देश के समस्त विश्वविद्यालयों को Digital Learning Monitoring Cell के गठन एवं National Digital Library (NDL) से सम्बद्ध किये जाने हेतु निर्देशित किया है जिसके क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा Digital Learning Monitoring Cell एवं National Digital Library (NDL) का गठन किया गया।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की डिजिटल पॉलिसी को तैयार करने के लिये परिसर देहरादून के निर्देशन में विश्वविद्यालय की आई0टी0 टीम के साथ कार्य निरन्तर जारी है एवं इसके लिये वीडियो लिंक के माध्यम से कार्य किया गया है। परिसर निदेशक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में ई–प्रोक्योरमेन्ट के लिये एन0आई0सी0 के माध्यम से सहयोग लिया जा रहा है। प्रारम्भिक तौर पर एक विस्तृत डॉक्यूमेन्ट को ई0–टेन्डरिंग के तहत तैयार किया गया है।

पाठ्य सामग्री निर्माण

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की स्व–अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बी0कॉम0 द्वितीय वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री का निर्माण व इनके प्रारम्भिक संपादन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

आगामी सत्र में प्रस्तावित बी0लिब0 पाठ्यक्रम के दोनों सेमेस्टरों की स्व–अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बी0लिब0 पाठ्यक्रम की स्व निर्मित अध्ययन सामग्री का

संपादन कार्य हेतु दिनांक 3 से 6 मई, 2018 को सात विषय विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया गया। इने द्वारा सम्बन्धित पाठ्यक्रम की इकाईयों की हार्ड कॉपी में सम्पादन कार्य सम्पन्न किया गया।

प्रवेश

दिनांक 1 जून, 2018 से ग्रीष्मकालीन सत्र 2018 के द्वितीय व तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के प्रवेश प्रारम्भ किये जा चुके है। UGC, DEB द्वारा आकादमिक सत्र 2018-19 से संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु देश क विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों व दूरस्थ शिक्षण संस्थानों से आवेदन मांगे गये थे जिसे विश्वविद्यालय द्वारा 2018-19 से संचालित किये जाने वाले पाठ्यक्रमों की मान्यता हेतु गत माह आवेदन कर दिया गया है। मान्यता प्राप्त होने के उपरांत प्रथम वर्ष के प्रवेश की प्रक्रिया की जायेगी।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम (प्रवेष परीक्षा)

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2018 के लिए पीएच.डी. पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा यू.जी.सी नेट 2016 के प्रावधनों के अनुरूप कराये जाने हेतु हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, इतिहास, समाज कार्य, होटल प्रबन्धन, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वानिकी, वाणिज्य, प्रबन्ध, शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, पर्यटन प्रबन्ध, हॉर्टिकल्चर, कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशन्स, योग, मनोविज्ञान, ज्योतिष विषयों कीं 87 सीटो के लिए विज्ञापन दिनांक 20/04/2018 को दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन पत्र आनलाईन मांगे गये है। आनलाईन आवेदन पत्र की अन्तिम तिथि 21 मई 2018 से एक सप्ताहः बढ़ाकर 26 मई 2018 तक की गई। पाठ्यक्रम हेतु कुल 540 आवेदन पत्र हुए है जिनका परीक्षण का कार्य गतिमान है।

पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा हेतु सूचना Asian Association of Open Universities की वेबसाईट में भी प्रकाशित की गई।

पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा से सम्बिन्धत जानकारी Asian Association of Open Universities की वेबसाईट में प्रकाशित

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र 2018–18 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Previous Session (2018-18-Winter)

Total Students	19014
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	3739
12 Roorkee	1410
14 Pauri	204
15 Uttar Kashi	587
16 Haldwani	2149
17 Ranikhet	206
18 Pithoragarh	306
19 Bageshwar	239
Books Packed/Dispatched For	8840

उपर्युक्त तालिका में विभिन्न पाठ्यक्रमों में, 08 क्षेत्रीय केन्द्रों में सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों में पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रेषित की जाने वाली अध्ययन सामग्री का विवरण उल्लिखित है। वार्षिक पाठ्यक्रमों में पंजीकृत समस्त छात्रों को वितरित की जाने वाली अध्ययन सामग्री प्रेषण कार्य माह जून पूर्ण कर लिया जायेगा।

सामाजिक सरोकार

रिस्पना नदी के पुर्नजीवन हेतु उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की सहभागिता

निदेशक, परिसर देहरादून के निर्देशन में उत्तराखण्ड राज्य सरकार के द्वारा चलाये जा रहे एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के अन्तर्गत रिस्पना नदी के पुर्नजीवन के प्रयासों के लिये मैपिंग एवं स्वच्छता अभियान के तहत कार्य किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'रिस्पना नदी के पुर्नजीवन' के प्रयासों के अन्तर्गत परिसर देहरादून द्वारा अधिकाधिक सहयोग दिया जा रहा है जिसके अन्तर्गत दिनॉक 22 मई 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर राज्य के विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से पौधारोपण हेतु गड्डे खोदे गये जिसमें मुक्त विश्वविद्यालय परिसर द्वारा भी सक्रिय प्रतिभाग किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते प्रो0 दुर्गेश पंत

माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को रिपोर्ट सौपते हुए प्रो0 पंत

उत्तराखण्ड राज्य में सूख रहे जलस्रोतों के बारे में शुक्लापुर मॉडल 'हेस्को देहरादून' के अनुसार लगभग 21 जलस्रोतों के बारे में विस्तृत रिपोर्ट प्रमुख वन संरक्षक श्री जयराज एवं माननीय मुख्यमंत्री जी को सौंपी गई।

रिस्पना पुर्नजीवीकरण के अन्तर्गत रिस्पना में गिरने वाले गन्दे नालों (Sewerage) की विस्तृत GIS Based रिपोर्ट राज्य के मुख्य सचिव एवं माननीय मुख्यमंत्री जी को सौपी गई। यह रिपोर्ट अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि नदी के पुर्नजीवन के लिये Sewerage Discharge Points की जानकारी आवश्यक है।

अन्य गतिविधियॉ

- दिनांक 9 मई, 2018 को प्रोफेसर आर सी मिश्र, निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य/कुलसचिव द्वारा प्राईमेक्स फाउण्डेशन तथा एशियन इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, पथुमतानी, थाईलैण्ड द्वारा आयोजित 'नवाचार एवं कौशल संवर्द्धन में नवीन प्रकृतियॉ' विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेन्स में थाईलैण्ड में प्रतिभाग किया गया।
- यू0जी0सी0 द्वारा एवं तदोपरान्त विश्वविद्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार परिसर देहरादून में दिनांक 21 मई 2018 को आतंकवाद विरोधी दिवस एवं आतंकवाद के विरोध में शपथ ली गयी।

आतंकवाद विरोधी दिवस पर शपथ लेते शिक्षक तथा कर्मचारी

- योग एवं नूतन प्रौद्योगिकी की जानकारी परिसर देहरादून के माध्यम से लगातार दी जाते रही है। योग के लिये विशेष सत्र भी आयोजित किये जाते रहे हैं जो परिसर में शनिवार एवं रविवार को सभी के लिये उपलब्ध रहते हैं। यह कार्यक्रम सभी के लिये रूचिकर हैं एवं योग, स्वास्थ्य के लिये उत्तराखण्ड राज्य में प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं।

विद्यार्थियों को योग एवं प्रौघोगिकी विषयों की जानकारी देते प्रो0 पंत

- भारत रत्न प्रो0 सी0एन0राव द्वारा सिंचित गंगोलीहाट जिला–पिथौरागढ़ में हिमालयन ग्राम्य विकास समिति में प्रतिवर्ष उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिये आयोजित किये जाने वाले Science Outreach प्रोग्राम के तहत् दिनांक 4, 5 और 6 मई 2018 को गंगोलीहाट में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा व परिसर देहरादून निदेशक द्वारा दिनांक 05 एवं 06 मई को एक सत्र संचालित किया गया व

प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में दूरस्थ जनपदों के लगभग 120 विद्यार्थियों के द्वारा सक्रिय प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से Jawahar Lal Nehru Centre for Advanced Science Benguluru के अध्यक्ष प्रो0 नागराजा, प्रो0 वाधमरे, प्रो0 रंगा के अतिरिक्त पदम विभूषण अन्तर्राष्ट्रीय भूगर्भशास्त्री प्रो0 के0एस0 वाल्दिया भी उपस्थित थे। इस अत्यन्त महत्वपूर्ण Outreach प्रोग्राम से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय लम्बे समय से जुड़ा है व परिसर निदेशक प्रतिवर्ष विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग कर रहें हैं। प्रौद्योगिकी, दूरस्थ शिक्षा के बारे में जागरूकता के लिये व्याख्यान लाभकारी सिद्ध हुये हैं।

हिमालयन ग्राम्य विकास समिति द्वारा आयोजित Science Outreach कार्यक्रम में प्रतिभाग करते प्रो0 पंत

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय Special Education व Differently Abled जन के लिये कार्यक्रम आयोजित करता है। परिसर देहरादून इस दिशा में विशेष प्रयास कर रहा है। समर्थनम फाउन्डेशन बैंगलुरू जो देश का एक श्रेष्ठ दिव्यांग क्षेत्र में कार्य करने वाला संस्थान है, के उत्तराखण्ड में भी कार्य करने से राज्य के हजारों दिव्यांग छात्र एवं उनके परिजन लाभान्वित होंगे। परिसर के निदेशक को समर्थनम संस्था द्वारा दिनांक 09 मई को बैगलुरू में आमंत्रित किया गया एवं उत्तराखण्ड में 1. Awareness and Sensitization 2- Recycling Based Projects 3- Skill Development 4- Technology Based Projects 5- Open and Distance Learning Engagements 6- Recreation and Entertainment के विषय में विस्तृत चर्चा की गई। संस्था के सी0ई0ओ0 श्री महन्तेश जी एवं उनकी सम्पर्ण टीम चर्चा में शामिल रही। यह शुभ संकेत है कि समर्थनम इन विषयों पर उत्तराखण्ड राज्य की विशिष्ट परिस्थितियों के दृष्टिगत अपने कार्यक्रम शीघ्र प्रारम्भ करेगा। उक्त के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर सैयद किरमानी भी उपस्थित थे।

समर्थनम फाउन्डेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बैंगलुरू में प्रतिभाग करते प्रो0 पंत

- दिनांक 5 मई 2018 को प्रातः काल Birla Institute of Applied Sciences Bhimtal के सहयोग से तैयार किये जा रहे जल गुणवत्ता का नापने के उपकरण (Ph, Temperature, TDS, Turbidity Etc) को Real Time एवं GPRS व Web Based को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा व परिसर देहरादून निदेशक के नेतृत्व में IOT Based उपकरण के निर्माण का कार्य अनवरत जारी है। यह उपकरण जल गुणवत्ता के परीक्षण के लिये अत्यन्त गुणकारी एवं लाभकारी सिद्ध होगा क्योंकि यह Portable उपकरण है एवं किसी भी जल स्रोत (नदी, नाले झरने, नौले इत्यादि) की जल गुणवत्ता का परीक्षण Real time में किया जाना सम्भव हो पायेगा। दिनांक 5 मई 2018 को प्रातः काल इस उपकरण का परीक्षण भीमताल में किया गया जिसमें इसके निर्माण से जुड़े छात्र, बिड़ला संस्थान के शिक्षक डॉ0 भट्ट भी उपस्थित थे। यह भी महत्वपूर्ण है कि उपकरण के परीक्षण के परिणाम सकारात्मक रहे हैं। यह उपकरण निदेशक, परिसर देहरादून के निर्देशन में तैयार हो रहा हैं एवं पानी की गुणवत्ता एवं माप के लिये यह अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।
  दिनांक 9 मई 2018 को इसी उपकरण का प्रदर्शन सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा सचिव, माननीय कुलाधिपति के समक्ष भी निदेशक महोदय द्वारा किया गया जिनके पास वर्तमान में उत्तराखण्ड विज्ञान एवं अनुसंधान केन्द्र का अतिरिक्त प्रभार भी है।

जल गुणवत्ता को नापने के उपकरण का प्रयोग करते तथा जानकारी देते प्रो0 दुर्गेश पंत

- विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे का शोध-पत्र जिसका शीर्षक "Watermarking of audio signals using iris data for protecting intellectual property rights of multiple owners" है, Springer द्वारा प्रकाशित International Journal of Information Technology के आगामी अंक में प्रकाशन हेतु चयनित हुआ है| इस रिसर्च पेपर पर श्री सौरभ जोशी, डॉ जीतेंद्र पाण्डे एवं प्रोफ बी के सिंह द्वारा संयुक्त रूप से कार्य किया है |
- डॉ शशांक शुक्ला, सहायक प्रध्यापक, हिन्दी द्वारा स्त्री विमर्श की प्रतिनिधि पत्रिका 'स्त्रीकल'में प्रकाशनार्थ लेख स्वीकृत हुआ है।
- डॉ शशांक शुक्ला, सहायक प्रध्यापक, हिन्दी द्वारा यूके से निकलने वाली ई-पत्रिका पुरवाई के मई अंक में 'प्रेम और कथानक का प्रश्न' लेख प्रकाशित हुआ है तथ केन्द्रीय विश्वविद्यालय की शोध पत्रिका उत्तर वाहिनी में 'शेक्सपियर और पात्रानुकूल भाषा का प्रश्न' लेख प्रकाशित हुआ।

● डॉ0 जीतेन्द्र पॉण्डे, सहायक प्रध्यापक, कम्प्यूटर साइंस द्वारा दिनांक 24/05/2018 को एम0जे0पी0 रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली में आयोजित डिजिटल लर्निंग एवं मूक से सम्बन्धित कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में प्रतिभाग करते डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डे

● दिनांक 31 मई प्रातः काल ऋषिकेश में अत्यन्त उत्साही मलिन बस्ती के बच्चों के साथ गंगा सफाई अभियान में भाग लिया गया।

गंगा सफाई अभियान में प्रतिभाग करते प्रो0 दुर्गेश पंत एवं विद्यार्थी

● परिसर में गत् माह दिव्यांगता से जुड़े विभिन्न संस्थानों के विषय विशेषज्ञ एवं मूकबधिर चैम्पियन्स की उपस्थिति भी रही है। विश्वविद्यालय द्वारा निर्देशित सभी क्रियाकलापों को परिसर देहरादून द्वारा विधिवत रूप से कराया जा रहा है। परिसर देहरादून में विभिन्न विषयों के काउंसिलिंग सत्र नियमित रूप से जारी हैं। परिसर द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों में परिसर के सभी कार्मिकों द्वारा वांछित सहयोग दिया जाता है।

- माह मई में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के वार्षिक परीक्षाओं की तैयारियां, नये सत्र 2018–19 के प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किये जा रहे है। विद्याशखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किये गये।

  (विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ग)

....

बीएड स्टूडेंट्स के लिए वर्कशॉप

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

DEHRADUN (10 May): उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के विशिष्ट शिक्षा विभाग के बीएड-विशिष्ट शिक्षा में अध्ययनरत फोर्थ सेमेस्टर के गढ़वाल मंडल के छात्रों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया. दस दिवसीय कार्यशाला का समापन एसजीआरआर डिग्री कॉलेज पथरीबाग में स्थित सेमीनार हॉल में हुआ. दस दिवसीय कार्यशाला का समापन क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक और प्राध्यापक डॉ. हर्ष वर्धन पन्त और ओपन यूनिवर्सिटी के पीआरओ डॉ. राकेश रयाल द्वारा किया गया. इस अवसर पर शालिनी शर्मा, अंकुर नौटियाल, दिगंबर काला, रेहाना इत्यादि ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी. कार्यशाला में देहरादून, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और रुड़की जिले स्थित अध्ययन केन्द्रों में नामांकित स्टूडेंट्स उपस्थित रहे. कार्यशाला में राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश राज्यों में दूर दराज से आये स्टूडेंट्स ने भी पार्टिसिपेट किया.